पाठ 14

फसलों का सफर

श्रीगंगानगर के एक गाँव में किसान और उनका बेटा खेत में घुमते हुए बातचीत कर रहे थे। आओ, हम भी जानें उनकी बातचीत।

चित्र 14.1 खेत पर किसान व उनका बेटा

कुलवंत – पापाजी, अब की बार अपने खेत में फसल अच्छी हुई है।

सुरजीत – हाँ, पुत्तर।

कुलवंत – पापाजी, फसल पक गई। अब इसे कटवानी पड़ेगी।

सुरजीत – हाँ पुत्तर, फसल कटवाने का सारा इंतजाम कर दिया है। तू तो गेहूँ निकालने के लिए थ्रेसर का इंतजाम कर दे।

कुलवंत – पापाजी, गेहूँ निकलेगा तब हम इसे कहाँ रखेंगे?

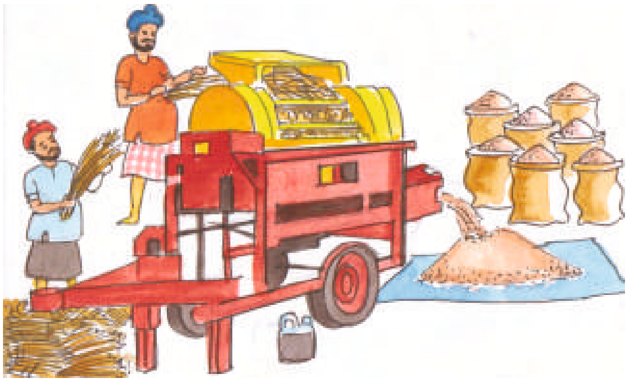

चित्र 14.2 थ्रेसर से गेहूँ निकालते हुए

सुरजीत – पुत्तर, मैं बाजार से बोरियाँ खरीद कर लाऊँगा और गेहूँ को उनमें भर देंगे। फिर मंडी में ले जा कर बेच देंगे।

पता कीजिए और लिखिए

- आपके क्षेत्र में किसान कौन–कौनसी फसलें उगाते हैं?
- आपके आस–पास के खेतों में फसल पकने पर किसान उसे बेचने के लिए कहाँ लेकर जाते हैं?
- किसान अपनी फसलों को किन–किन साधनों से बेचने के लिए लेकर जाते हैं?

यह चित्र अनाज मंडी का है, जिसमें विभिन्न प्रकार के अनाज की बोरियाँ दिखाई दे रही हैं। मंडी के व्यापारियों को यह अनाज किसानों द्वारा बेचा गया है।

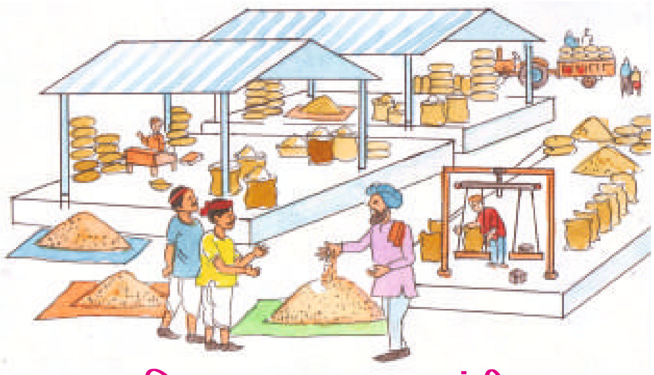
चित्र 14.3 अनाज मंडी

पता कीजिए और लिखिए

- अनाज की तरह सब्जियाँ भी मंडी में बेचने के लिए लाई जाती हैं। आपके गाँव/शहर में किसी सब्जी बेचने वाले से बातचीत कर पता कीजिए कि –

  – वे सब्जियाँ कहाँ से लाते हैं? खुद पैदा करते हैं या मंडी से लाते हैं।
  – कौन–कौनसी सब्जियाँ एक या दो दिन बाद खराब हो जाती हैं?

- आस–पास सब्जी मंडी हो तो पता कीजिए कि –

  – वहाँ सब्जियाँ कहाँ–कहाँ से आती हैं?
  – ये सब्जियाँ खेत से मंडी में किन–किन साधनों से लाई जाती हैं?

आपने अपने क्षेत्र में इस तरह की दुकान देखी होगी जिसमें चावल, चीनी, गेहूँ, दाल, गुड़, मसाले आदि मिलते हैं।

चित्र 14.4 किराणा की दुकान

पता कीजिए और लिखिए

- किराणा की दुकान वाले यह सामान कहाँ से लाते हैं?
- आपके घर में खाने के लिए यह सामान (गेहूँ, दाल, चावल, मसाले आदि) कहाँ से लाते हैं ?

अब आप समझ गए होंगे कि खेतों से हमारे घर तक खाद्य सामग्री कैसे पहुँचती है। नीचे दिए गए चित्र से यह और भी स्पष्ट हो जाता है।

चित्र 14.5 फसलों का सफर (खेत से दुकान/घर तक)

चर्चा कीजिए और लिखिए

- खेत से घर तक खाने का सामान कहाँ–कहाँ से होकर पहुँचता है?
- खेत से घर तक खाने का सामान परिवहन के किन–किन साधनों के माध्यम से पहुँचता है ?

सबके लिए भोजन

भोजन हमारे जीवन की मूलभूत आवश्यकता है। सभी को पर्याप्त एवं पौष्टिक भोजन मिलना चाहिए। इस हेतु हमारे यहाँ कई योजनाएँ चलाई जाती रही हैं। जैसे– काम के बदले अनाज, अंत्योदय अन्न योजना आदि। सार्वजनिक वितरण प्रणाली द्वारा भी सबको आवश्यक खाद्यान्न मिले, इसकी व्यवस्था की गई है। इन योजनाओं में समय–समय पर आवश्यकतानुसार परिवर्तन भी होते रहते हैं। पर उद्देश्य यही होता है कि लोगों को सस्ती दरों पर अच्छा और पर्याप्त खाद्यान्न मिले।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली

इस योजना के तहत आवश्यकता वाले परिवार को बहुत सस्ती दर पर चावल, गेहूँ, मोटा अनाज, शक्कर, तेल आदि उचित मूल्य की दुकान/राशन की दुकान से मिल जाते हैं।

पता कीजिए और लिखिए

- क्या आपके क्षेत्र में कोई ऐसा व्यक्ति है जिसे पर्याप्त भोजन नहीं मिलता ? और क्यों?
- आपके क्षेत्र में उचित मूल्य की दुकान कहाँ है?
- क्या वह समय से खुलती है?
- इसके खुलने का समय क्या है?
- वहाँ से क्या–क्या सामान कम दाम पर मिलता है ?
- यह सामान कितनी मात्रा में मिलता है?
- उचित मूल्य की दुकान पर मिलने वाली सामग्री व बाजार में अन्य दुकान पर मिलने वाली उसी सामग्री की कीमत में कितना अंतर है? किस दुकान पर सामग्री सस्ती है?

हमने सीखा

- खेत से घर तक खाद्यान्न अनेक चरणों से होकर आता है।
- सबको खाना मिले इसके लिए अनेक योजनाएँ हैं।
- सार्वजनिक वितरण प्रणाली सरकारी व्यवस्था है, जिससे सस्ती दर पर खाने का सामान मिल जाता है।

जाना–समझा, अब बताइए

- किसान अपने खेतों में तरह–तरह की सब्जियाँ, फल, अनाज, दालें, तिलहन आदि उगाते हैं। आपने इनमें से बहुत कुछ देखा और खाया होगा। अपने अनुभव से इनके उदाहरण लिखिए –

विभिन्न प्रकार की दालें–	मूंग, अरहर, चना, मसूर आदि।
विभिन्न प्रकार की तिलहन–	....
विभिन्न प्रकार के अनाज–	....
विभिन्न प्रकार के फल–	....
विभिन्न प्रकार की सब्जियाँ–	....
विभिन्न प्रकार के मसालें–	....

- विभिन्न तरह की दाल, तिलहन और अनाज के नमूने इकट्ठे कीजिए तथा कक्षा में प्रदर्शित कीजिए।
- आज या कल का अखबार कक्षा में लाकर उससे पता कीजिए कि आपके घर में उपयोग में ली जाने वाली सामग्री, जैसे– गेहूँ, गुड़, चीनी, तेल, दालें आदि के मंडी भाव क्या हैं?

फसलें खूब उगाता किसान।
सबको उपलब्ध कराता खाद्यान्न।।